राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–176 /2024

राज्यपाल ने बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में पौधारोपण किया

पटना, 31 अगस्त, 2024 :– माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के परिसर में पौधारोपण किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित 'पौधारोपण कार्यक्रम एवं वैज्ञानिकों तथा राज्य के प्रगतिशील किसानों का सम्मान समारोह' को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण के लिए पेड़–पौधों के साथ–साथ पशु भी आवश्यक हैं। उन्होनें कहा कि 'सर्वे जनः सुखिनः भवन्तु' हमारा मंत्र है। सर्वजन के तहत वे सभी प्राणी आते है जिनमें जीवन और प्रजनन क्षमता है। इसके अन्तर्गत पेड़–पौधे और पशु–पक्षी सहित समस्त जीव आते हैं और उनका संरक्षण हमारा कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और परम्परा में पौधों का महत्वपूर्ण स्थान है। हमारे ऋषियों और मनीषियों ने भी प्रकृति के सानिध्य में रहने तथा अधिकाधिक पेड़ लगाकर प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया है। अपने घरों में तुलसी का पौधा लगाकर उसकी पूजा, बट वृक्ष की पूजा आदि अनेक प्रकार की पूजा पद्धतियाँ हमें प्रकृति से जोड़ती हैं और इससे उसका संरक्षण होता है। हजारों वर्षों की इस परम्परा को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने माँ के साथ जोड़कर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरूआत की और अपनी माँ के नाम पर पौधा लगाकर प्रकृति के संरक्षण का आह्वान किया है। हमें इस अभियान से जुड़कर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयत्नशील है। हमारा देश पेरिस सम्मेलन के निर्णयों के प्रति भी कटिबद्ध है। बिहार का वन क्षेत्र राष्ट्रीय औसत की तुलना में काफी कम है। इस राज्य के वन क्षेत्र को बढ़ाने का दायित्व हम सबका है। हमें अधिकाधिक पौधारोपण करना चाहिए और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने वैज्ञानिकों और बिहार के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम को माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ० प्रेम कुमार एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति डॉ० डी० आर० सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर संजय गाँधी गव्य प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के अधिष्ठाता डॉ० उमेश सिंह, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के अधिष्ठाता डॉ० वीर सिंह, अधिकारीगण, प्राध्यापकगण व छात्र–छात्राएँ, वैज्ञानिकगण, किसान एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....